भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में आयोजित

पीएम-किसान सम्मान निधि की 23वीं किस्त जारी करने के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

भा.कृ.अनु.प.- केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान मुंबई तथा इसके क्षेत्रीय केंद्रों कोलकाता, मोतीपुर, रोहतक, पवारखेड़ा, काकीनाडा और बालभद्रपुरम में 20 जून 2026 को सायं 4:00 बजे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी करने के राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आयोजित किया गया।

इस राष्ट्रीय कार्यक्रम को भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हुगली, पश्चिम बंगाल से संबोधित किया। इस अवसर पर पीएम-किसान योजना की 23वीं किस्त प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डी बी टी) के माध्यम से जारी की गई, जिसके अंतर्गत देशभर के 9.44 करोड़ से अधिक किसानों को लाभ मिला। इस किस्त के तहत पात्र किसानों को ₹2,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जिससे ₹18,880 करोड़ से अधिक की राशि हस्तांतरित की गई। यह कार्यक्रम किसान कल्याण, ग्रामीण समृद्धि और विकसित भारत @ 2047 के के प्रति भारत सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान में कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. एन. पी. साहू, संस्थान के निदेशक के स्वागत संबोधन से हुआ। उन्होंने माननीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान जी तथा ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान जी का हार्दिक स्वागत किया। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों, मछुआरों, संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों की उपस्थिति को भी सराहा। उन्होंने कहा कि यह सामूहिक सहभागिता मात्स्यिकी क्षेत्र को सशक्त बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। अपने संबोधन में डॉ. साहू ने अनुसंधान, शिक्षा, विस्तार और क्षमता निर्माण के माध्यम से मात्स्यिकी क्षेत्र को सशक्त बनाने में भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों और योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मात्स्यिकी और जलीय कृषि भारत की विकास यात्रा के महत्वपूर्ण घटक हैं तथा भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान इस क्षेत्र के लिए गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन, वैज्ञानिक ज्ञान और तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने में निरंतर योगदान दे रहा है।

कार्यक्रम में भारत सरकार के ग्रामीण विकास राज्य मंत्री माननीय श्री कमलेश पासवान जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अपने संबोधन में उन्होंने किसानों को सहायता प्रदान करने और ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने में पीएम-किसान योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मात्स्यिकी के लिए अलग मंत्रालय का गठन इस बात को दर्शाता है कि माननीय प्रधानमंत्री द्वारा मछुआरों और मत्स्य किसानों को भी देश के अन्य किसानों के समान महत्वपूर्ण हितधारक के रूप में मान्यता दी गई है। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने के लिए विविध उत्पादन प्रणालियों और आजीविका अवसरों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री माननीय श्री चिराग पासवान जी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने मात्स्यिकी क्षेत्र के बढ़ते महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह क्षेत्र रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास और आर्थिक वृद्धि की दृष्टि से अत्यंत संभावनाशील एवं तेजी से विकसित होने वाला क्षेत्र है। उन्होंने मत्स्य प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन प्रणालियों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक प्रसंस्करण तकनीक, कोल्ड-चेन विकास, बेहतर भंडारण, विकिरण तकनीक और उन्नत संरक्षण विधियां उत्पादों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने, नुकसान कम करने और लाभप्रदता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

माननीय मंत्री ने आगे कहा कि इस क्षेत्र का ध्यान केवल उत्पादन मात्रा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि मूल्य संवर्धन, गुणवत्ता, नवाचार और ब्रांडिंग की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए। वैश्विक व्यापार चुनौतियों के बावजूद भारतीय मात्स्यिकी निर्यात के रिकॉर्ड प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए उन्होंने संगठित और वैज्ञानिक उत्पादन प्रणालियों को और मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान से मात्स्यिकी क्षेत्र के सतत विकास के लिए व्यावहारिक और नीतिगत रूप से उपयोगी सुझाव एवं समाधान विकसित करने का भी आग्रह किया।

उनके संबोधन का एक प्रमुख केंद्र गुणवत्ता आश्वासन रहा। उन्होंने कहा कि भारत को ऐसी व्यवस्था का निर्माण करना होगा, जहां गुणवत्ता देश की पहचान बने और "मेड इन इंडिया" का लेबल विश्वभर में विश्वास का प्रतीक बने। उन्होंने यह भी कहा

कि अल्पकालिक लाभ के लिए गुणवत्ता से किया गया कोई भी समझौता वर्षों में निर्मित छवि, प्रतिष्ठा और ब्रांड मूल्य को नुकसान पहुंचा सकता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार सुधारों, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। कार्यक्रम के दौरान डिजिटल कृषि मिशन, प्राकृतिक खेती मिशन, राष्ट्रीय दलहन मिशन, पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना और प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह-योजना सहित विभिन्न प्रमुख सरकारी पहलों के बारे में भी जागरूकता उत्पन्न की गई। इन पहलों का उद्देश्य किसानों की आय में वृद्धि करना, सतत कृषि और जलीय कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना तथा डिजिटल और संस्थागत सहयोग तंत्र को मजबूत करना है।

भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में आयोजित इस सीधा प्रसारण कार्यक्रम में लगभग 305 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें लगभग 210 पुरुष और 95 महिलाएं शामिल थीं। प्रतिभागियों में पीएम-किसान लाभार्थी किसान, मत्स्य किसान, वैज्ञानिक, संकाय सदस्य, विद्यार्थी और अन्य हितधारक सम्मिलित थे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्पिता शर्मा, विभागाध्यक्ष, डॉ. अंकुश कांबले, डॉ. शिवाजी अरगड़े और डॉ. नेहा कुरैशी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, मात्स्यिकी अर्थशास्त्र, विस्तार एवं सांख्यिकी प्रभाग द्वारा किया गया। साथ ही भा.कृ.अनु.प.–केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई एवं के.मा. शि. सं. के केंद्रों की टीम तथा PGSSU ने इसका सफल संचालन किया।

यह कार्यक्रम सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के प्रसार और किसानों एवं मात्स्यिकी हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान अनुसंधान, शिक्षा, विस्तार, जागरूकता सृजन और क्षमता निर्माण गतिविधियों के माध्यम से समावेशी कृषि और मात्स्यिकी विकास से जुड़ी राष्ट्रीय पहलों को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।

भा. कृ. अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में पीएम-किसान की 23वीं किस्त जारी करने के सीधा प्रसारण कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित मुख्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में सभा को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. एन. पी. साहू।

भा. कृ. अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में पीएम-किसान सीधा प्रसारण कार्यक्रम के दौरान माननीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान जी तथा माननीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री कमलेश पासवान जी का स्वागत करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. एन. पी. साहू।

भा. कृ. अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई में पीएम-किसान की 23वीं किस्त जारी करने के सीधा प्रसारण कार्यक्रम के दौरान मछुआरा महिला प्रतिभागियों के साथ पारंपरिक कोली समुदाय की टोपी पहने हुए मुख्य अतिथि।

भा. कृ. अनु. प. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, कोलकाता केंद्र में पीएम-किसान की 23वीं किस्त जारी करने के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखते हुए संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं अन्य हितधारक।

ICAR-Central Institute of Fisheries Education (CIFE), Mumbai

hosts live telecast of 23rd instalment release of

PM-KISAN Samman Nidhi Programme

ICAR-Central Institute of Fisheries Education (ICAR-CIFE), Mumbai, along with its Centres at Kolkata, Motipur, Rohtak, Powarkheda, Kakinada and Freshwater Farm at Balabhadrapuram, organised the live telecast of the release of the 23rd instalment of the Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi (PM-KISAN) programme on 20 June 2026 at 4:00 PM.

The national programme was addressed by the Hon'ble Prime Minister of India, Shri Narendra Modi Ji, from Hooghly, West Bengal. During the event, the 23rd instalment under PM-KISAN was released through Direct Benefit Transfer (DBT), benefiting more than 9.44 crore farmers across the country. Under this instalment, financial assistance of ₹2,000 each was transferred to eligible farmers, amounting to a total transfer of more than ₹18,880 crore. The programme reflected the Government of India's continued commitment towards farmer welfare, rural prosperity and the vision of Viksit Bharat @ 2047.

At ICAR-CIFE, the programme commenced with the welcome address by Dr. N. P. Sahu, Director, ICAR-CIFE, who welcomed Shri Chirag Paswan, Hon'ble Union Minister of Food Processing Industries, Government of India and Shri Kamlesh Paswan, Hon'ble Minister of State for Rural Development, fishers, fish farmers, students, faculty members, scientists and other stakeholders.

In his address, Dr. Sahu highlighted the major achievements and contributions of ICAR-CIFE in strengthening the fisheries sector through research, education, extension and capacity-building. He emphasized that fisheries and aquaculture are important components of India's development pathway and that ICAR-CIFE continues to contribute by generating quality human resources, scientific knowledge and technological support for the sector. He also sensitized the participants to recent Government initiatives, such as Khet Bachao Abhiyan, and to the importance of balanced fertilizer use for sustainable soil health and enhanced productivity.

The programme was graced by the presence of Hon'ble Union Minister of Food Processing Industries, Government of India, Shri Chirag Paswan and Hon'ble Minister of State for Rural Development Shri Kamlesh Paswan.

Hon'ble Minister Kamlesh Paswan highlighted the importance of PM-KISAN in supporting farmers and strengthening rural livelihoods. He also stated that the creation of a separate Ministry for fisheries reflects the recognition given by the Hon'ble Prime Minister to fishers and fish farmers as important stakeholders. He further emphasized the need to promote multiple production systems and livelihood opportunities to enhance farmers' income.

Hon'ble Union Minister, Shri Chirag Paswan also addressed the gathering. He highlighted the growing importance of the fisheries sector as one of the fastest-growing sectors with strong future potential for employment generation, entrepreneurship development and economic growth. He stressed the need to strengthen fish processing, value addition and marketing systems and that modern processing technologies, cold-chain development, improved storage, irradiation and advanced preservation methods can help extend shelf life, reduce losses and improve profitability.

The Hon'ble Minister further emphasized that the focus of the sector should gradually move from production volume alone towards value addition, quality, innovation and branding. Referring to the record

performance of Indian fisheries exports despite global trade challenges, he called for continued efforts to strengthen organized and scientific production. He also encouraged ICAR-CIFE to generate practical and policy-relevant solutions for the sustainable growth of the fisheries sector.

A major focus of his address was on quality assurance. He stated that India must build a system where quality becomes the identity of the country, so that the label “Made in India” inspires confidence across the world. He also assured that the Government, under the leadership of Hon’ble Prime Minister Shri Narendra Modi Ji, is continuously working towards reforms, ease of doing business and ease of living.

During the programme, awareness was also created on several flagship Government initiatives including the Digital Agriculture Mission, Natural Farming Mission, National Pulses Mission, Restructured Weather-Based Crop Insurance Scheme and Pradhan Mantri Matsya Kisan Samridhi Sah-Yojana. These initiatives aim to improve farmers’ income, promote sustainable agriculture and aquaculture practices, and strengthen digital and institutional support systems.

The live telecast programme organised at ICAR-CIFE and its Regional Centres witnessed enthusiastic participation from around 305 participants, including 210 men and 95 women. The participants included PM-KISAN beneficiary farmers, fish farmers, scientists, faculty members, students and other stakeholders.

The programme was efficiently coordinated by Dr. Arpita Sharma, Head and Dr. Ankush Kamble, Dr. Shivaji Argade, and Dr. Neha Qureshi, Senior Scientists of the Fisheries Economics, Extension and Statistics Division, along with the ICAR–CIFE team from Mumbai, its centres, and the PGSSU team. Their dedicated efforts ensured the event’s success.

The programme served as an important platform for disseminating information on Government welfare initiatives and enhancing awareness among farmers and fisheries stakeholders. ICAR-CIFE remains committed to supporting national initiatives for inclusive agricultural and fisheries development through research, education, outreach, awareness generation and capacity-building activities.

Dr. N. P. Sahu, Director, ICAR-CIFE, addressing the gathering in the presence of the Chief Guests on the dais during the live telecast of the 23rd installment release of PM-KISAN at ICAR-CIFE, Mumbai.

Dr. N. P. Sahu, Director, ICAR-CIFE, welcomes Hon'ble Minister of Food Processing Industries, Shri Chirag Paswan and Shri Minister of State in Ministry of Rural Development during the PM-KISAN live telecast programme at ICAR-CIFE, Mumbai.

Chief Guests wearing traditional Koli community caps along with fisherwomen participants during the live telecast of the 23rd instalment release of PM-KISAN at ICAR-CIFE, Mumbai.

Faculty members, staff and stakeholders attending the live telecast of the Hon’ble Prime Minister’s address during the 23rd instalment release of PM-KISAN at ICAR-CIFE Kolkata Centre.